



Darshana Saurabh loadha

15 Dec 1998

Model: Numerology-Report

Order No: 119672001

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119672001

Date: 06/10/2025

नाम	Darshana Saurabh loadha
जन्म तिथि	15/12/1998
मूलांक	6
भाग्यांक	9
नामांक	9
मूलांक स्वामी	शुक्र
भाग्यांक स्वामी	मंगल
नामांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	3, 9
शत्रु अंक	1, 8
सम अंक	2, 4, 5, 7
मुख्य वर्ष	2013,2022,2031,2040,2049,2058,2067,2076
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	शुक्र, गुरु, मंगल
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	6, 15, 24
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन,ओपल
अनुकूल देव	देवी
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
शुभ यंत्र	शुक्र यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

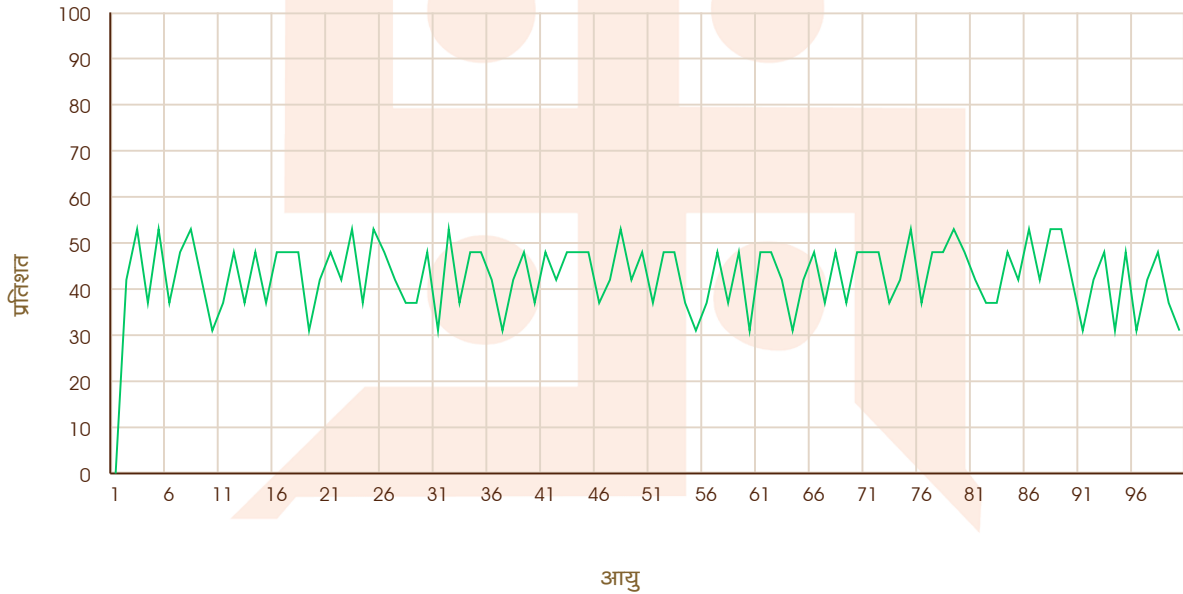


FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2013, 2022, 2031, 2040, 2049, 2058, 2067, 2076

शुभ आयु 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69, 78

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होता है। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाली, जनता के मध्य लोकप्रिय महिला होंगी। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा।

आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगी। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी। सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगी। परोपकार में हिचकेंगी नहीं तथा अपने कार्य को निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगी। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगी। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी।

आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगी। एकाध असफलताएँ भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुँचेंगी तथा घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगी।

भाग्यांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।

आपका मूलांक 6 है तथा आपका भाग्यांक 9 है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र है तथा भाग्यांक 9 का स्वामी मंगल है। मूलांक 6 और भाग्यांक 9 के बीच मित्र संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के अच्छे फल प्राप्त होंगे। शुक्र-मंगल के योग से आप चौंसठ कलाओं में से किसी एकाधिक कला में पारंगत रहेंगी। आपका रोजगार-व्यापार तकनीकी क्षेत्रों की किसी शाखा में हो सकता है अथवा आप ज्ञान-विज्ञान के द्वारा अपने अंदर छिपी हुई कला का रोजगार में उपयोग करेंगी। युवा अवस्था से ही आप धन संग्रह की ओर उन्मुख

होंगी एवं अपनी अपेक्षानुसार प्रचुर मात्रा में धन का संग्रह करेंगी। आधुनिक युग की भौतिक सुख-संपदाओं की वस्तुएं एकत्रित करने में भी आप पीछे नहीं रहेंगी। आपका रुझान साहस भरे कार्यों की ओर अधिक होने से आप जो भी कार्य हाथ में लेंगी, उसे पूरा करने के पश्चात ही चैन से बैठेंगी। आपका भाग्य काफी अच्छा है तथा समयानुकूल श्रेष्ठ भाग्योदय आपको प्रौढ़ावस्था में प्राप्त होगा। समाज में आप एक कर्मठ एवं साहसी महिला के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगी एवं विभिन्न संगठनों, समूहों में योगदान करेंगी तथा आवश्यकतानुसार समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करेंगी।

आपका भाग्योदय 27 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 36 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 45 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 6 की मित्रता 3 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 9 की मित्रता 3, 6 से है। अतः आपके जीवन में 3, 6, 9 के अंक विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक की आपके भाग्यांक से मित्रता होने से मूलांक-भाग्यांक के फल आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, या उपर्युक्त वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 6 एवं भाग्यांक 9 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 6, 9 होता है वह आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं

घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Darshana Saurabh loadha

4+1+2+3+5+1+5+1 3+1+6+2+1+2+5 3+7+1+4+5+

नाम का योग : 63 नामांक : 9

आपके नाम का कुल योग तिरेसठ है। छह एवं तीन के योग से नौ आपका नामांक होता है। अंक छह का स्वामी शुक्र एवं तीन का स्वामी वृहस्पति है। नामांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। शुक्र के प्रभाव से आप एक आकर्षक व्यक्तित्व की धनी होंगी। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगी। वृहस्पति के प्रभाव से अध्ययन-अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य एवं धर्म कर्म के क्षेत्र में आपको उपलब्धियां प्राप्त होंगी। दान-पुण्य भी आपके द्वारा समयोचित किया जाता रहेगा। मंगल के प्रभाव से आप सदैव मुखिया का पद प्राप्त करने की चेष्टा करेंगी। आप अनुशासन प्रिय रहेंगी। आपको चापलूस लोगों से हमेशा सावधान रहना होगा। इनके द्वारा आपको हानि पहुँचायी जा सकती है। सामाजिक संगठनों में अपनी विशेष सेवा के द्वारा आप कीर्ति एवं स्थिर नाम प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

आपके नाम का नामांक 9 है। यही आपका भाग्यांक भी है। इन दोनों के आपके मूलांक 6 से मित्र संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक भाग्यांक तथा नामांक के पूर्ण फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम आपके लिए सौभाग्य पूर्ण रहेगा एवं आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी लोकप्रियता को प्राप्त करेगा। आपके कार्यक्षेत्र में, आपके सहयोगियों के मध्य आपका नाम लोकप्रिय रहेगा एवं वे सब आपके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। जीवन की मध्य अवस्था से आपको अपने नाम के अनुरूप ख्याति, धन, मान एवं सम्मान मिलना प्रारंभ हो जाएगा। अन्तिम अवस्था में आप सम्मान भरा जीवन यापन करेंगी एवं इस लोक में आपकी ख्याति अमर रहेगी।

आपका नामांक 9 आपके मूलांक 6 एवं भाग्यांक 9 से पूर्णतः मिलान करता है। अतः आपका नाम आपके लिए सौभाग्य पूर्ण रहेगा। इसलिए आपको अपने नाम में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी कारणवश आपको अपने नाम में परिवर्तन करना आवश्यक लगे, तब आप ऐसे ही नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 6 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नामांक आपके लिए शुभ फलदायक एवं उन्नतिशील रहेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 3,9 अंक अच्छे



FUTUREPOINT
Astro Solutions



रहेंगे तथा 7,8 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=1$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

शुक्र दिनांक 21 अप्रैल से 21 मई तक तथा 24 सितंबर से 13 अक्टूबर तक सूर्य, पाश्चात्यमतानुसार, वृष तथा तुला राशि में रहता है, जो भारतीय मतानुसार 13 मई से 14 जून तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक का समय होता है। यह शुक्र की स्वराशि है। 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि से शुक्र उच्च का होता है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक छह के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार के दिन शुभ रहेंगे और यदि आपकी शुभ तारीखों में शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार पड़ रहा हो तो ऐसी तारीखें एवं दिन आपके लिए विशेष फलदायी सिद्ध होंगे।

शुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी प्रकार का पत्र व्यवहार या किसी उच्चाधिकारी से संबंध या कोई भी व्यवसाय संबंधी नया कार्य प्रारंभ करने हेतु अधिक उपयुक्त तथा विशेष फलदायक रहेंगी।

अशुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार संबंधी कार्य प्रारंभ करने हेतु 1, 8, 10, 17, 19, 26 एवं 28 तारीखें में शुभ नहीं है। अतः आप इन दिवसों में कोई भी कार्य प्रारंभ करने की भूल न करें। यही आपके लिए उचित रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप केवल उन्हीं व्यक्तियों से अधिक मित्रता रखें जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में अथवा 13 मई से 14 जून 12 अक्टूबर से 13 नवंबर एवं 14 मार्च से 13 अप्रैल के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति सुख एवं दुख के समय में भी अपनी मित्रता का परिचय देंगे तथा आपके रोजगार-व्यापार में भी सहायक होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

जिन महिलाओं का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीख को हुआ हो तथा जिनका मूलांक 3, 6, 9 हो, ऐसी महिलाएं आपके लिए प्रेम संबंध या विवाह संबंध हेतु उचित रहेंगी तथा आपके रोजगार आदि में भी आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाएंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए शुभ रंग हल्का नीला, आसमानी, गहरा नीला, हल्का गुलाबी होने चाहिए। नीला हल्का नीला होना चाहिए और हो सके तो घर की दीवारें, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप ही करें और यदि स्वास्थ्य में अच्छा परिवर्तन लाना हो तो इन्हीं रंगों के वस्त्र पहनें और हो सके तो इन्हीं रंगों में से किसी एक रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें, जो आपके लिए विशेष फलदायी रहेगा।

वास्तु एवं निवास

यदि आप स्वयं का भवन निर्माण के इच्छुक हैं तो इसके लिए आवश्यक है कि आप सही दिशा का चयन करें। आपके लिए अग्नि कोण दिशा उत्तम रहेगी। मकान क्रमांक 3, 6, 9 हो तो श्रेष्ठ रहेगा। आप शहर के अग्नि कोण क्षेत्र या भवन के अग्नि कोण क्षेत्र में निवास करें। वह आपके लिए उत्तम रहेगा। अतः आप अपने रोजगार संबंधी कार्यों को करते समय भी इन्हीं दिशाओं का चुनाव करें जो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक रहेगा। भवन का रंग, फर्नीचर का रंग हल्का नीला, आसमानी रखना श्रेष्ठ रहेगा।

शुभ वाहन नं

यदि आप चाहते हैं कि आपकी यात्रा मंगलमय हो तो यात्रा के समय उन्हीं अंकों का चुनाव करें जो आपके मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करें। मूलांक 6 के मित्र अंक 3, 9 हैं। अतः आप यात्रा वाहन, रेलवे सीट में इन्हीं अंकों का चुनाव करें और रहने के लिए कमरे का चयन करते समय नंबर 105 = 6 आदि होना उचित है। अगर आप स्वयं का वाहन खरीदते हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 3, 6 एवं 9 ही होने चाहिए। जैसे अंक 5235 = 6 इत्यादि। ऐसा वाहन आपको अच्छा फलेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी, आपको फेफड़ों से संबंधित रोग, धातु क्षीणता, स्नायु निर्बलता, सीने की कमजोरी, मूत्र रोग, कफ जनित रोग, कब्जियत तथा जुकाम जैसे रोग पीड़ा प्रदान करेंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको कार्तवीर्यजुन की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए। स्त्री जातकों को संतोषी माता का व्रत करना चाहिए।

व्यवसाय

रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे, भोजनालय, शिल्पकार, डिजायनर, महाजनी कार्य, संगीतज्ञ, उपन्यासकार, नाट्यकार, कहानीकार, बागवानी, वस्त्र व्यवसायी, अभिनेता, इत्र, तेल और अन्य तेलीय पदार्थों के विक्रेता, पुष्प विक्रेता, वस्त्राभूषण व्यवसाय, रेशम, टेरीलीन, टेरीन, ऊनी वस्त्रादि के विक्रेता, मिष्ठान व्यवसाय, घड़ीसाजी, नृत्याभिनय और काव्य तथा साहित्योपार्जन, सार्वजनिक कार्य, समाज सेवा, दास वृत्ति, यातायात, मुद्रणालय, खाद्य विभाग संबंधी समस्त कार्य।

व्रतोपवास

शुक्रवार को शुक्र अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। इक्कीस या इक्कीस शुक्रवारों को शुक्र का व्रत करें। सफेद वस्त्र धारण करें एवं सफेद वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति शुक्र मंत्र का स्फटिक माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप हीरा धारण करें। यदि आप हीरा नहीं खरीद सकते तो ओपल, सफेद पुखराज, झरकन धारण करें। 51 सेंट का हीरा आप शुक्ल पक्ष में, शुक्रवार के दिन लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में, प्लेटिनम या चांदी की अंगुठी में, दायाँ हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप शुक्र ग्रह की उपासना करें, अथवा भगवती दुर्गा की आराधना करें भगवती दुर्गा के अष्टाक्षरी मंत्र 'ओम् ह्रीं दुं दुर्गायै नमः' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा अष्टमी के दिन व्रत करें एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे तो आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवती दुर्गा के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शुक्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, शुक्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शुक्र गायत्री मंत्र - ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्रः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शुक्र का ध्यान करें, मन में शुक्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

हिमकुंदमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।

सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शुक्र को अनुकूल बनाने हेतु शुक्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ जप संख्या 16000 ॥



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वनस्पति धारण

आप शुक्रवार के दिन, एक इंच लम्बी सरफोंखा की जड़ ला कर, सफेद धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या प्लेटिनम या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शुक्र के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शुक्रवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, आंवला, इलायची, केसर और मैन्सील आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शुक्र के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वोषधि तथा लोध को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शुक्र की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शुक्र के पदार्थ चांदी, सोना, चावल, घी, सफेद वस्त्र, सफेद चंदन, हीरा, सफेद अश्व, दही, गंध द्रव्य, चीता, गौ, भूमि आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शुक्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु शुक्र यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शुक्रवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।